भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 1750**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत-ईरान व्यापार

1750. श्री डी. एम. कथीर आनंद:

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत और ईरान के बीच महत्वपूर्ण व्यापार संबंध हैं और वित्तीय वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है जो प्रमुख निर्यात और आयात तथा चाबहार पत्तन और आईएनएसटीसी जैसी रणनीतिक परियोजनाओं से प्रेरित है, यदि हां, तो भारत और ईरान के बीच आयात और निर्यात की गई वस्तुओं का ब्यौरा क्या है।

(ख) क्या भारत ने चाबहार पत्तन में 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया है और यह भारत को ईरान के रास्ते रूस और यूरोप से जोड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे पर निर्भर करता है जिससे पारगमन समय और लागत में कमी आती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या अमरीका द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने से ईरान के साथ भारत के व्यापार समीकरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, यदि हां, तो इस संबंध में सरकार क्या कार्रवाई करेगी?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): चालू वित्तीय वर्ष (अप्रैल-दिसंबर, 2025) के दौरान, ईरान के साथ भारत का कुल पण्यवस्तु व्यापार 1,145.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें 883.10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का

निर्यात और 262.19 मिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात शामिल है। भारत का व्यापार मुख्य रूप से मानवीय प्रकृति का है, जिसमें कृषि उत्पाद और फार्मास्यूटिकल वस्तएं शामिल हैं। अप्रैल-नवंबर 2025 की अवधि के लिए ईरान के साथ भारत के पण्यवस्तु आयात और निर्यात का मद-वार और मूल्य-वार,विवरण निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है:

https://tradestat.commerce.gov.in/meidb/country_wise_all_commodities_export
https://tradestat.commerce.gov.in/meidb/country_wise_all_commodities_import

(ख): चाबहार बंदरगाह परियोजना की परिकल्पना अफगानिस्तान को उसके पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक संपर्क प्रदान करने और मध्य एशिया के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। एक भारतीय कंपनी, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल), अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल चाबहार फ्री जोन (आईपीजीसीएफजेड) के माध्यम से, वर्ष 2018 से बंदरगाह का परिचालन कर रही है। दिनांक 13 मई 2024 को, आईपीजीएल ने चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल को सुसज्जित और परिचालित करने के लिए इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन के साथ दस वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार, भारत ने बंदरगाह उपकरणों की अधिप्राप्ति के लिए 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर ली है।

(ग): ऐसी कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

***